आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 347 | जयपुर, शनिवार 27 जून, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

राजस्थान के 307... पेज 2

वेनेज़ुएला भूकंप में .... पेज 3

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिकः इनमें 5 सेना, 1 एयरफोर्स का जवान

पहलगाम अटैक के बाद पीओके में हमला किया था

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3ष्ठ वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। नेशनल वॉर मेमोरियल के त्याग चक्र में 16 गोल ग्रेनाइट की दीवारें हैं, जिन पर आजादी के बाद से देश के लिए अपनी जान देने वाले हर सैनिक का नाम, रैंक और यूनिट लिखी हैं। दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 टूरिस्ट की हत्या की गई थी। भारतीय सेना ने 6-7 मई रात क्क्ष्य में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इस दौरान 100 से ज्याद आतंकी मार गिराए थे। भारत पाकिस्तान के बीच 4 दिन हवाई युद्ध चला था। 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ था।

2 शहीदों को वीरता पुरस्कार मिला

छह शहीदों में से दो को वीरता सम्मान मिल चुका है। राइफलमैन सुनील कुमार को मरणोपरांत वीर चक्र दिया गया, जबकि सार्जेंट सुरेंद्र कुमार को उनकी बहादुरी के लिए मरणोपरांत वायु सेना मेडल मिला था।

6 मई 2025: सेना ने पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी।

भारत की एयरस्ट्राइक में कई पाकिस्तानी एयरबेस तबाह हुए थे

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कई एयरबेस तबाह किए थे। प्राइवेट कंपनी मक्सर के सैटेलाइट ने इन तबाह एयरबेस की फोटोज जारी की थीं। मक्सर ने पाकिस्तान के जिनकी फोटोज जारी की, उनमें सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर के एयरबेस थे। फोटोज में साफ देखा जा सकता है कि हमले के पहले और बाद में वहां क्या स्थिति थी।

सेना ने बताया था कहां-कहां की थी एयरस्ट्राइक

सेना ने 7 मई 2025 की सुबह बताया था कि पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। इनके नाम हैं.. पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पूंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। भिम्बर का बरनाला कैंप। यहां हथियार चलाना सिखाया जाता है। कोटली का अब्बास कैंप। यह एलओसी से 13 किमी दूर है। यहां फिदायीन तैयार होते हैं। सियालकोट का सरजल कैंप। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या के आतंकवादियों को यहीं ट्रेन किया गया था। सियालकोट का हिजबुल महमूना जाया कैंप। पठानकोट हमला यहीं प्लान किया गया। मुरीदके का मरकज तैयबा कैंप। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे। मस्जिद सुभान अल्लाह बहावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था। यहां रिक्रूटमेंट, ट्रेनिंग दी जाती थी। बड़े अफसर यहां आते थे।

2019 में हुआ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन 2019 में इंडिया गेट के पास हुआ था। यहां स्वतंत्रता के बाद देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों के नाम दर्ज किए जाते हैं। इन छह नामों के जुड़ने के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर भी उन सैन्य अभियानों में शामिल हो गया है,

एलपीजी टैंकर टोल से टकराया, धमाके के बाद आग लगी

कौशांबी में ड्राइवर जिंदा जला, सिर्फ हड्डियां बचीं; 16 बाइकें और 2 कारें जलकर राख

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे एक एलपजी टैंकर बेकाबू होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। उसका शव पूरी तरह जल गया और कंकाल का कुछ हिस्सा ही बरामद हो सका। वहीं, पांच टोल कर्मचारी भी झुलस गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था। टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और दो कारें भी आग की चपेट में आकर जल गईं। आग बुझने के बाद जब टीम टैंकर के अंदर पहुंची तो चालक की हड्डियां मिलीं। इससे पहले सूचना मिली थी कि चालक टैंकर से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल हो गया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की ऊंची लपटों को देखकर टोल प्लाजा के दोनों ओर बसों और कारों की लंबी कतारें लग गईं। करीब 2 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार और आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर कोखराज थाना क्षेत्र के सिहोरी टोल प्लाजा पर हुआ। अब सिलसिलेवार तरीके से पूरा मामला समझ लीजिए- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- टैंकर कानपुर से प्रतापगढ़ की ओर जा रहा था। घटना ओवरटेक के चक्कर में हुई। टैंकर की स्पीड लगभग 60-70 ञ्चद्बश्चद्ध के आसपास थी। इस दौरान टैंकर डिवाइडिंग लेन से टकराकर पलट गया। इस दौरान टैंकर ड्राइवर और कंडक्टर कूदकर मौके से फरार हो गए। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया- टोल कर्मियों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, टक्कर के बाद टैंकर से गैस का रिसाव होने लगा। इस वजह से पहले तेज धमाका हुआ, फिर आग लग गई। डीएसओ और तकनीकी टीम को सूचित कर दिया गया है, जो मौके पर पहुंचकर घटना के सटीक कारणों की जांच करेगी। उन्होंने बताया- हादसे में 7 लोग घायल हुए थे। 5 लोगों का जिला अस्पताल में शुरुआती इलाज कराया गया। पांच को हालत नाजुक देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। 2 लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। घायलों की पहचान आलोक सिंह (25), कृष्णपाल मौर्य (26), हीरामणि सिंह (27), अतुल मिश्रा (25) और अनिल कुमार (35) के रूप में हुई है। प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि सभी 60न्न से ज्यादा झुलसे हैं। उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। इन सभी को स्पेशल बर्न वार्ड में रखकर इलाज किया जा रहा है।

टोल प्लाजा के यार्ड में खड़ी 16 बाइकें और 2 कारें जलीं

टोल कर्मचारी संजय निर्मल ने बताया- हादसे से 10 मिनट हल्की-फुल्की बारिश हुई थी। पता नहीं अचानक क्या हुआ कि पूरी गाड़ी एकदम धड़ाम से गिर गई। उसके बाद गैस लीक होने लगी। अचानक आग भड़क गई। आग प्लाजा सटे यार्ड और टॉयलेट तक फैल गई। यार्ड में खड़ी 16 से ज्यादा बाइकें और 2 कारें जलकर राख हो गईं। यार्ड में टोल कर्मचारी अपनी गाड़ियां पार्क करते हैं। इस दौरान पास में बने टॉयलेट में बैठे सुपरवाइजर आलोक पांडे भी बुरी तरह झुलस गए हैं। एसपी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया- कोखराज टोल प्लाजा के पास आग की सूचना मिलते ही तुरंत जिले की सभी फायर ब्रिगेड की गाड़ियों और सिविल पुलिस बल को मौके पर रवाना किया गया। सुरक्षा को देखते हुए ट्रैफिक रुकवाया गया। उसके बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। ट्रैफिक को अब धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- ट्रस्ट महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

ट्रस्टी अनिल मिश्रा की छुट्टी, चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत 8 गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है। चंपत के पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बडी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चडावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली स्नद्बक्रदर्ज कराई गई थी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं। इसके बाद गुरुवार देर रात रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आज शुक्रवार को सभी 8 आरोपियों का मेडिकल कराने के बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है।

SIT ने 23 जून को रिपोर्ट सौंपी, 2 दिन बाद गिरफ्तारी

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया। यूपी सरकार ने 13 जून को **SIT** बनाई। **SIT** ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। इसके 2 दिन बाद कार्रवाई हुई और मंदिर से जुडे 8 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें टिन्नू, लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा शामिल हैं। अनुकल्प लवकुश का जीजा है। ये दोनों अनिल मिश्रा के रिश्तेदार हैं। वहीं, मनीष टिन्नू यादव का भतीजा है।

संजय राउत ने पूछा- उद्धव की ईंट कहां गई, केजरीवाल बोले- महापाप हुआ

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को एक्स पर पूछा, 'राम मंदिर के लिए उद्धव की दान की हुई 4 किलो चांदी की कहां गईड अब जवाबदेही तय करने का समय आ गया है।' दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को रामलला के दर्शन किए। कहा- जिन्होंने महापाप किया, उन्हें कडी सजा मिले। **FIR** दिखावा है। बड़े लोगों को बचाने की कोशिश हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। सनातन के मूल्यों को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगी।

केजरीवाल बोले- चढ़ावा चोरी में बहुत बडे-बडे राक्षस शामिल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा- भगवान राम के यहां, उनके घर में महा डकैती हो गई है। भगवान राम का आभूषण, उनका हार, उनकी पादुका, उन पर चडाए गए चांदी-सोना, हीरे और अरबों रुपए का कैश भगवान राम के घर से चोरी हो गया। इस चोरी में बहुत बडे-बडे राक्षस शामिल हैं। लोग आहत हुए हैं। मैं भी आहत हूं। इसलिए आज दर्शन करने आया हूं। जिन लोगों ने चोरी की है, बदकिस्मती से उन्हीं को कार्रवाई करनी है। वो अपने को पूरी तरह से बचाने में लगे हैं। फर्जी **SIT** बनी, फर्जी **FIR** हुई। उस **FIR** में छोटे-छोटे प्यादों को आरोपी बनाया गया है। बडे लोगों का नाम नहीं है। बडे-बड़े राक्षसों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ये सभी हिंदुओं के जले पर नमक छिडने की बात है।

सीनियर वकील बोले- जांच हो रही है, सच सामने आएगा

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से चंपत राय के इस्तीफे पर वरिष्ठ अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने कहा, इस्तीफे पर क्या कमेंट करेंगे। जांच हो रही है, सच सामने आएगा। घोटाला हुआ है, कोई राम भक्त इसे सपोर्ट कैसे कर सकता है हर आदमी की मांग है कि दोषियों को सजा दी जाए।

केजरीवाल ने कहा- चंदा चोर पार्टी ने हिंदुओं को ठेस पहुंचाई

हिंदुओं ने चंदा चोर पार्टी को प्यार देने में कोई कसर नहीं छोडी। लेकिन, चंदा चोर पार्टी ने भी हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोडी। ये ट्रस्ट इनका, इसके ट्रस्ट के सभी सदस्य इनके, मंदिर के सदस्य सभी इनके हैं। मंदिर में बहुत बडे पैमाने पर डकैती हुई। उस डकैती पर पर्दा डालने का काम यही लोग कर रहे हैं।

केजरीवाल बोले- भगवान राम का नाम इस्तेमाल कर सत्ता में आई चंदा चोर पार्टी

केजरीवाल ने कहा- 30 साल तक भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर, उनका मंदिर बनवाने के नाम पर चंदा चोर पार्टी सत्ता में आई। जब से ये सत्ता में आए, तब से इन्होंने राम मंदिर को अपने पैसे की हवस का शिकार बना दिया। एक कुसुम पाठक और हरीश पाठक हैं, जिन्होंने 18 मार्च 2021 को अपनी सवा हेक्टेयर जमीन चंदा चोरों से संबंधित दो लोगों को दो करोड में बेची। इसके 10 मिनट के अंदर ट्रस्ट ने चंदा चोरों से इस दो करोड की जमीन को 18 करोड में खरीदा। कई बार शिकायत होने के बाद मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

केजरीवाल ने चढ़ावा चोरी के 2 उदाहरण भी दिए

1- सिंधी एसोसिएशन ने 26 जनवरी, 2021 को 200 किलो चांदी दान में दी। उन्हें इसकी रसीद नहीं दी गई। अब उन्होंने ये सारा मामला देखा तो पूछ रहे हैं कि उनकी 200 किलो चांदी कहां गई। खबरें आ रही हैं कि रोज लगभग 12 से 14 लाख तक का चंदा मंदिर में आता था, जब से ये चंदा चोरी की खबर आई, चंदा घटकर 1 लाख हो गया।

2- एक रस्तोगी जी हैं, उन्होंने दो दीपक दान में दिए थे। जिनमें से एक दीपक पर अखंड ज्योति जलाई गई। अब उस दीपक का अता-पता नहीं। जिन लोगों ने अपनी जमीनें बेचकर, अपना सबकुछ बेचकर भगवान राम पर लुटा दिया। आज उनकी आस्था को भारी ठेस पहुंची है।

केतन के पिता बोले-सिया को हेयर विग की जानकारी थी

पुलिस पूछताछ में सिया बोली- केतन को शादी के लिए मना किया लेकिन वह नहीं माना

पुणे। पुणे में केतन अग्रवाल मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। केतन के हेयर विग लगाने को हत्या के पीछे की वजह बताने पर पिता विशाल अग्रवाल ने कहा- सिया और उसके परिवार को पता था कि केतन सिर पर विग का एक पैच लगाता था। उसे पसंद नहीं था तो वह मना कर सकती थी लेकिया क्या यह किसी को मारने की वजह हो सकती है? वहीं पुलिस पूछताछ में सिया ने बताया कि उसने केतन से कहा था कि वह उससे शादी करना नहीं चाहती, लेकिन वह सगाई तोड़ने को तैयार नहीं था। केतन का कहना था कि अब बहुत देर हो चुकी है। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। सिया पर अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी के साथ मिलकर मंगेतर की हत्या करने का आरोप है। दोनों फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और मामले की जांच जारी है।

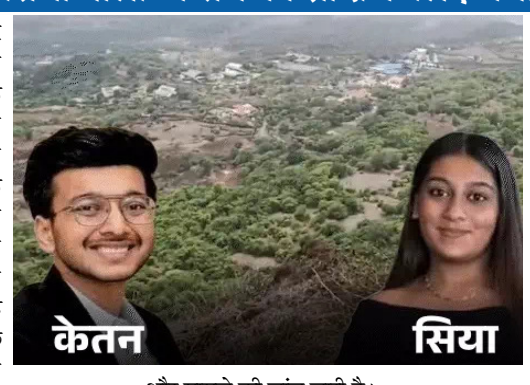

दावा-केतन के गिरने के बाद सिया शांत थी, रोई तक नहीं

लोहगढ़ किले में केतन की बॉडी निकालने में मदद करने वाले सुनील गायकवाड़ ने दावा किया कि घटना के बाद लोग घबराए हुए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे, लेकिन सिया गोयल शांत थी। वह न रोईं और न ही कोई पछतावा दिखाया। इससे पहले किले के गार्ड धीरज जाधव ने बताया कि उन्होंने चेतन और सिया की चीख सुनी थी। मौके पर पहुंचने पर सिया ने उन्हें बताया कि कोई खाई में गिर गया है। इसके बाद गार्ड ने पुलिस को सूचना दी।

मां पूजा गोयल बोलीं- सिया शादी को लेकर खुश थी

इस मामले में कोई भी दोषी है तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। अगर मेरी बेटी दोषी है, तो उसे भी उसी जगह से नीचे फेंक देना चाहिए, जहां से केतन को धक्का दिया गया था। परिवार को सिया और केतन की शादी से बहुत उम्मीदें थीं। केतन का परिवार भी सिया को बहुत प्यार और स्नेह देता था। सारे कार्यक्रम अच्छे से चल रहे थे। अगर हमें लगता कि सिया को कोई परेशानी हो रही है या वह केतन से बात नहीं कर पा रही है।

महेश दीक्षित नए आईबी चीफ, तपन डेका की जगह लेंगे

1993 बैच के आईपीएसअधिकारी हैं, एंटी टेररिज्म और खुफिया ऑपरेशन का अनुभव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर महेश दीक्षित को देश की आंतरिक खुफिया एजेंसी का नया चीफ नियुक्त किया है। वे 30 जून को कार्यकाल पूरा कर रहे तपन कुमार डेका की जगह लेंगे। केंद्र सरकार ने महेश को दो साल के लिए IB डायरेक्टर नियुक्त किया है। महेश दीक्षित 1993 बैच के आंध्र प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। फिलहाल IB में स्पेशल डायरेक्टर और एजेंसी के दूसरे सबसे वरिष्ठ अधिकारी थे। इससे पहले जम्मू-कश्मीर में सब्सिडियरी

मातमी धुनों के साथ निकाले ताजिए

कोटा। सांगोद मातमी धुनों के साथ निकाले गए ताजिए सलीम अंसारी ने बताया कि हज़रत इमाम हुसैन का संघर्ष,त्याग और बलिदान हमें असत्य,अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध मानवता की सबसे मजबूत ढाल बनने की सीख देता है हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में इस्लामिक मोहर्रम माह की 10 तारीख को मातमी धुनों के साथ ताजिए निकाले गए जिसमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग,नौजवान, बच्चे ढोल तासे बजाने के साथ हैरत अंगेज अखाड़ा खेलते हुए चल रहे थे रास्ते में कई जगह शरबत कि छबीले लगी हुई थी लुहारों के चौक में इमाम चौक नौजवान कमेटी के द्वारा प्रशासनिक अधिकारी पुलिस उप अधीक्षक जिनेन्द्र कुमार जेन थाना अधिकारी अनिल कुमार,लक्ष्मण सिंह ज़िम्मेदार पटेलिया पाड़ा सदर शौकत अंसारी,इमाम चौक सदर अकिल गौरी,काला चबूतरा सदर शाकिर पठान,वक्फ कमेटी सदर मिर्जा मुश्ताक अहमद जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद, जिला देहात अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष सलीम अंसारी, सरपरस्त शफीक ठेकेदार, फ़िरोज पठान,शाहिद भाया,मंसूर अली,रफीक ठेकेदार वह अखाड़े के उस्ताद अब्दुल हक टेलर,जुबैर खान वह दानिश खान को माला पहना के वह साफ़ा बाँध सम्मानित कर पगड़ी बंदाई की रस्म अदा की गई ताजिए काला चबूतरा,पटेलियापाड़ा,होली का चौक,रेती पड़ा कालू खां की बाडी के सामने,रंगनाथ जी के मंदिर के सामने,ईमाम चौक,जामा मस्जिद के सामने,पुराना बाजार होते हुए पिपली घाट उजाड़ नदी में ठंडे किए गए ताजिए जुलूस को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा जुलूस मार्ग में आने वाली विद्युत लाइनों को नियम अनुसार ऊंचाई पर करवाया गया ताकि जुलूस के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके अलावा मार्गों पर साफ सफाई की व्यवस्था भी करवाई गई ताजिए शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा

राजस्थान के 307 बांध पूरी तरह खाली 44प्रतिशत पानी ही बचा, सिर्फ 5 फुल

उदयपुर जोन में पिछले साल से बेहतर हालात

उदयपुर। राजस्थान में मानसून के इंतजार के बीच राज्य बांधों को लेकर जल संसाधन विभाग की ताजा रिपोर्ट सामने आई है। इसके अनुसार राज्य के बड़े, मध्यम और छोटे बांधों में अभी कुल क्षमता का 44.22 प्रतिशत पानी बचा है। राहत की बात यह है कि साल 2024 के मुकाबले 2025 और 2026 में करीब 15 फीसदी ज्यादा पानी एकत्र है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस बार पानी करीब 2 फीसदी कम है। उदयपुर जिले और संभाग के लिहाज से इस बार थोड़ी राहत है। यहां पानी की स्थिति पिछले साल के मुकाबले अधिक है। मेवाड़-वागड़ के मुख्य बांधों में इस समय

जलस्तर बेहतर होने से मानसून से पहले शहर में पानी का बड़ा संकट टला है। उदयपुर के स्थानीय निवासी और सैलानियों के लिए अच्छी बात यह है कि यहां की मुख्य झीलों का जलस्तर अभी भी आधे से अधिक बना हुआ है।

क्या मानसून तक नहीं होगा जल संकट?

उदयपुर शहर की लाइफलाइन मानी जाने वाली मुख्य झीलों फतेहसागर और पिछोला में अभी भी 65 फीसदी से ज्यादा पानी है। जलदाय विभाग के अनुसार, झीलों में मौजूद यह पानी मानसून के आने और झीलों के दोबारा छलकने तक पूरे उदयपुर शहर की वाटर सप्लाई के लिए पर्याप्त है। शहर को पानी सप्लाई करने वाले मानसी वाकल बांध में भी 60 प्रतिशत से ज्यादा का स्टॉक है। इसका सीधा मतलब यह है कि मानसून में थोड़ी देरी होने पर भी उदयपुर शहर के लोगों को फिलहाल पानी की कटौती या किसी बड़े जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। सैलानियों के लिए भी राहत की बात है कि जून के इस आखिरी हफ्ते में भी झीलों का नजारा सूखा नहीं, बल्कि पानी से लबालब दिख रहा है।

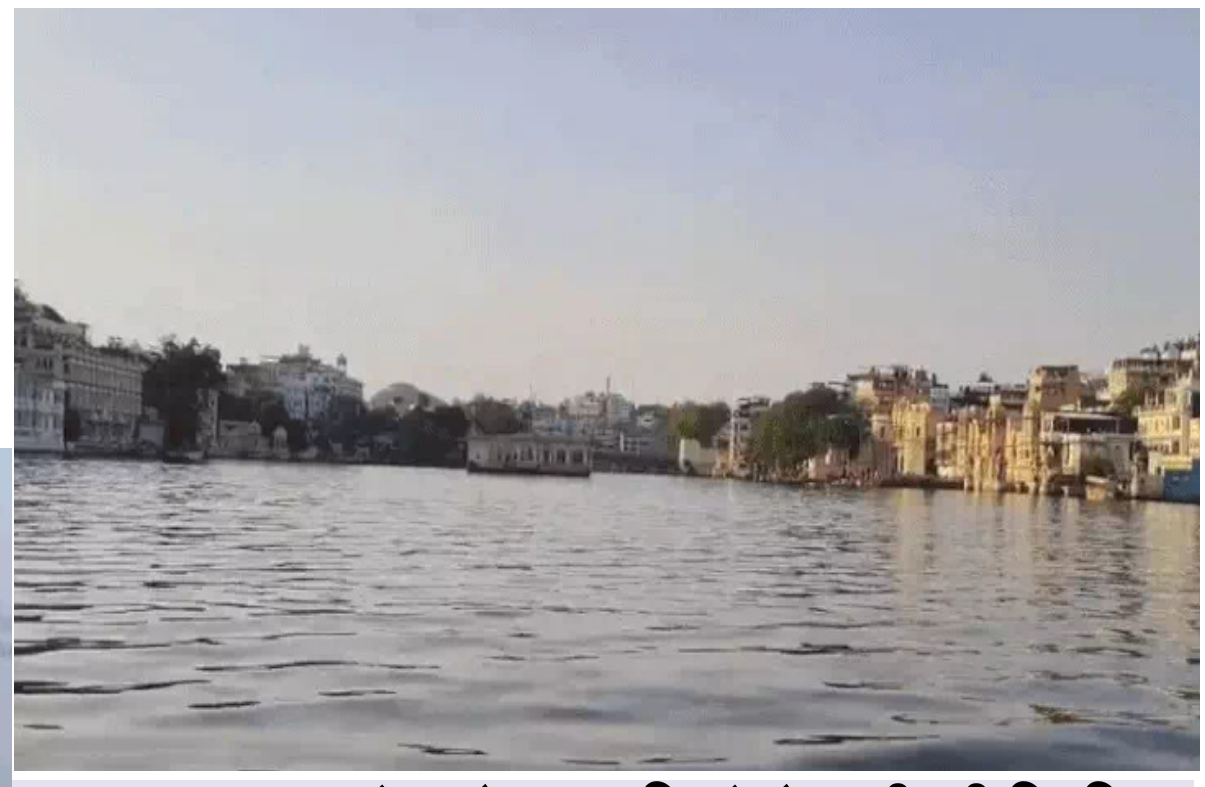

उदयपुर संभाग (जोन) के अन्य जिलों में पानी की स्थिति

राजसमंद: राजसमंद जिले की मुख्य झील में पानी का स्टॉक अभी बेहतर है, यहां 57.28 प्रतिशत पानी मौजूद है।
चित्तौड़गढ़: जिले के गम्भीरी बांध में 15.16 प्रतिशत और ओराई बांध में महज 9.97 प्रतिशत पानी ही बचा है। वहीं, घोसुंडा बांध 49.83 प्रतिशत भरा हुआ है।
भीलवाड़ा: भीलवाड़ा के मेजा बांध में अभी 33.97 प्रतिशत पानी उपलब्ध है, जबकि कोठारी बांध में 68.81 प्रतिशत का अच्छा स्टॉक है।
सलूंबर: जिले के केजाद बांध में 22.99 प्रतिशत और दया बांध में 25.34 प्रतिशत पानी का स्तर बना हुआ है।
बांसवाड़ा-डूंगरपुर (वागड़): डूंगरपुर के सोम कमला अंबा बांध में अभी 68.56 प्रतिशत पानी का मजबूत स्टॉक है। वहीं बांसवाड़ा के माही बजाज सागर बांध में 43.76 प्रतिशत पानी शेष है।

राजस्थान के 307 बांध पूरी तरह खाली, रोज सूख रहा पानी

जल संसाधन विभाग की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार- राजस्थान के कुल 693 बांधों की निगरानी की जा रही है। इनमें से 307 बांध पूरी तरह से सूख चुके हैं, यानी इनमें बिल्कुल पानी नहीं है। वहीं, केवल 5 बांध ही ऐसे हैं, जो पूरी तरह से लबालब भरे हुए हैं। बाकी बचे 381 बांधों में थोड़ा-बहुत पानी है, जिन्हें आंशिक रूप से भरा हुआ माना गया है। बिना बारिश और तेज गर्मी के कारण पिछले 24 घंटों में ही राज्य के बांधों में कुल 11.88 एमसीएम पानी की कमी आई है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के 23 सबसे बड़े और प्रमुख बांधों में अभी 56.09 प्रतिशत पानी मौजूद है।

दूसरी तरफ, 263 मध्यम दर्जे के बांधों में 26.27 प्रतिशत पानी बचा है। सबसे चिंताजनक हालत 407 छोटे बांधों की है, जिनमें उनकी कुल क्षमता का महज 13.50 फीसदी पानी ही बचा हुआ है। अगर अलग-अलग इलाकों यानी जोन के हिसाब से देखें तो कोटा जोन के बांधों में सबसे ज्यादा 54.93 प्रतिशत पानी है, जबकि जोधपुर जोन के बांधों में सबसे कम 18.68 प्रतिशत पानी बचा है।

मृत्युभोज में घी के मालपुए नहीं बनवाने पर हुक्का-पानी बंद

43 परिवारों को दुकानों से राशन नहीं मिल रहा, कुएं से पानी नहीं दे रहे

सिरोही। आर्थिक तंगी की मार झेल रहे परिवार ने मृत्युभोज में घी के मालपुए नहीं बनवाए। सादा खाना खिलाया। इससे समाज के लोग इतने नाराज हुए कि इनका हुक्का-पानी बंद करने का फरमान सुना दिया। इस गरीब परिवार का समर्थन करने वाले 42 अन्य परिवारों पर भी यही तुगलकी फरमान लागू किया गया। अब परिवारों को न दुकानदार राशन दे रहा है, न ही कुएं से पानी नहीं भरने दिया जा रहा है। पंचों की बंदिशें यहीं नहीं रुकीं। पीड़ित परिवारों के घरों में मेहमानों के आने और उनके किसी रिश्तेदारी में जाने पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है। पंचों के फरमान की अनदेखी करने पर 11 हजार रुपए और पूरे समाज को सामूहिक भोजन (जीमण) का दंड भुगतना होगा। यह पूरा मामला सिरोही के बरलूट थाना इलाके के मंडवारिया गांव का है। पीड़ित परिवारों ने अब जिला कलेक्टर से शिकायत की है।

अब सिलसिलेवार समझते हैं पूरा मामला...

सादा भोजन नागवार गुजरा, पंचों ने समाज से बाहर किया पीड़ित परिवारों ने बताया कि गांव में 5 जून को सदाराम पुत्र बलवाजी का निधन हो गया था। 17 जून को हुए मृत्युभोज में परिवार की माली हालत ठीक न होने के कारण घी के मालपुआ नहीं बनाए जा सके। बेहद सादा भोजन कराया गया। इस बात से समाज के एक दर्जन से अधिक पंच इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने अगले ही दिन 18 जून को फरमान सुनाकर इस परिवार सहित कुल 43 समर्थक परिवारों को समाज से बाहर कर दिया।

जीना हुआ दूभर, बच्चे भूखे सोने को मजबूर

बहिष्कार की मार झेल रहे परिवारों का जीना मुश्किल हो गया है। गांव के दुकानदार उन्हें राशन का सामान नहीं दे रहे हैं। खेत मालिक उन्हें मजदूरी पर नहीं रख रहे हैं। हद तो यह है कि इन परिवारों को गांव के सार्वजनिक कुएं से पानी तक भरने नहीं दिया जा रहा है। राशन न मिलने के कारण घरों में बच्चे भूखे सो रहे हैं।

राजस्थान में 76 नई नगरपालिकाओं का गठन

15 साल का सबसे बड़ा विस्तार, 684 नए पद मंजूर, जयपुर-झुंझुनूं में सबसे ज्यादा 7-7 निकाय

जयपुर। राजस्थान में तेजी से ब? रहे कस्बों और शहरी क्षेत्रों के लिए राज्य सरकार ने नगरीय विकास को गति देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश में 76 नई नगरपालिकाओं के गठन को मंजूरी दे दी गई। साथ ही राज्य में नगरीय निकायों की संख्या 309 से बढ़कर 385 हो गई है। नई नगरपालिकाओं के संचालन और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्वायत्त शासन विभाग में 684 नए पद भी बनाए गए हैं। पिछले तीन सालों में विभाग में पहली बार भर्ती की मंजूरी मिली है। जबकि इतनी बड़ी संख्या में पदों का सृजन पिछले 15 सालों में पहली बार हुआ है। नई नगरपालिकाओं में सबसे अधिक 7-7 निकाय जयपुर और झुंझुनूं जिलों में बनाए गए हैं। राज्य सरकार का यह फैसला भाजपा सरकार के मौजूदा कार्यकाल में स्थानीय निकायों के विस्तार का सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इससे नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों में तेजी आएगी।

जयपुर जिले में ये बनी नगर पालिकाएं

जयपुर जिले में वाटिका, जमवारामगढ़, फागी, दूदू,

कानोता, खेजरोली और कालाडेरा को नगर पालिका का दर्जा दिया गया है। इसके अलावा दौसा, अलवर और टोंक में चार-चार नई नगरपालिकाएं गठित की गई हैं। वहीं बालोतरा, बाड़मेर और अजमेर में तीन-तीन नई नगरपालिकाओं का गठन किया गया है। इसके अलावा अन्य कई जिलों में भी नए नगरीय निकाय बनाए गए हैं।

684 नए पदों पर होगी भर्ती

नई नगरपालिकाओं के गठन के साथ सरकार ने इनके प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया है। स्वायत्त शासन विभाग में 684 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इन पदों पर भर्ती होने से नई नगरपालिकाओं में प्रशासनिक कार्यों का संचालन सुचारू रूप से हो सकेगा। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे।

झुंझुनूं में ये बनी नगर पालिकाएं

झुंझुनूं जिले में सिंघाना, डूंडलोद, जाखल, सुलताना, बुहाना, मलसीसर और मण्ड्रेला को नगर पालिका का दर्जा मिला है।

76 नगर पालिकाओं में ये पद किए स्वीकृत

सरकार ने प्रदेश की 76 नवगठित नगर पालिकाओं में प्रशासनिक कामकाज के लिए 684 नए पदों के सृजन को प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी दी है। प्रत्येक नगर पालिका में एक-एक अधिशासी अधिकारी (चतुर्थ), सहायक राजस्व निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता (सिविल), कनिष्ठ लेखाकार, ठोस कचरा प्रबंधक (स्वास्थ्य निरीक्षक), वरिष्ठ प्रारूपकार और वरिष्ठ सहायक का पद स्वीकृत किया गया है। वहीं दो-दो कनिष्ठ सहायकों के पद सृजित किए गए हैं। सरकार ने इसके साथ ही पहले से गठित 6 नगर पालिकाओं में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, चौकीदार, सफाई जमादार और सफाई कर्मचारियों के कार्य आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराने की पहले स्वीकृति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी है। इन छह निकायों के लिए पहले स्वीकृत 54 पदों से संबंधित व्यवस्था भी समाप्त कर दी गई है।

छुट्टी का दिन, फिर भी मंत्रियों के बंगलों पर भीड़: तबादलों की अर्जियां लेकर पहुंचे कर्मचारी

मंत्री बोले- विधवा-गंभीर बीमार कर्मचारियों को मिलेगी प्राथमिकता

जयपुर। राजस्थान में तबादलों से बैन हटने के बाद मंत्रियों के सरकारी आवासों और सचिवालय में कर्मचारियों और उनके परिजनों की भीड़ नजर आ रही है। मुहर्रम की सरकारी छुट्टी के दिन भी मंत्रियों के आवासों पर तबादलों को लेकर भीड़ रही। सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक मंत्रियों के घरों पर बड़ी संख्या में लोग तबादलों की अर्जियां लेकर पहुंचे। सबसे ज्यादा भीड़ शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के आवास पर रही। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, पशुपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत सहित अधिकतर मंत्रियों के यहां लोग तबादलों की अर्जियां लेकर पहुंचे। मंत्रियों ने भी लोगों से मिलकर तबादलों की अर्जियां लीं और उनकी समस्याएं

सुनकर प्राथमिकता के आधार पर तबादला करने का आश्वासन दिया।

दिव्यांग, एकल महिला और बीमार कार्मिकों को प्राथमिकता

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा- लंबे समय से कर्मचारियों की तबादलों से बैन हटाने की मांग थी, जिसे ध्यान में रखकर सरकार ने तबादलों से बैन हटाया है। हम तबादलों में दिव्यांग, एकल महिला, विधवा सहित लंबे समय से अपने घर से दूर रहने वाले कार्मिकों को प्राथमिकता दे रहे हैं। मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा- मेरे चारों विभागों के कार्मिक तबादलों को लेकर आ रहे हैं, जिनकी अर्जियों पर प्राथमिकता के आधार पर फैसला लिया जाएगा। वहीं, जो अन्य विभागों से संबंधित कर्मचारी आ रहे हैं, उनकी लिस्ट बनाकर संबंधित मंत्रियों को भेजकर उनसे आग्रह कर रहे हैं कि उन्हें उचित स्थान पर लगाया जाए।

5 जुलाई तक हो सकेंगे ट्रांसफर

राजस्थान सरकार ने करीब 7 दिन पहले सरकारी कर्मचारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग से बैन हटा दिया था। यह रोक 5 जुलाई तक के लिए हटाई गई है। कार्मिकों की मांग को देखते हुए सरकार ने 16 दिन के लिए ट्रांसफर-पोस्टिंग पर लगे बैन को हटाया है। इन ट्रांसफर-पोस्टिंग में एकल महिला, विधवा, परित्यक्ता और गंभीर बीमार कर्मचारियों (कैंसर, दिमाग की बीमारी, हार्ट की बीमारी, फेफड़े और किडनी की बीमारी से ग्रसित) को प्राथमिकता दी जाएगी। यह आदेश सरकारी कर्मचारियों के अलावा निगमों, बोर्डों और स्वायतशासी संस्थाओं पर भी लागू है। हालांकि, सरकार ने थर्ड ग्रेड शिक्षकों और चिकित्सा विभाग में तबादलों से बैन नहीं हटाया है।

वेनेजुएला भूकंप में अब तक 235 की मौत: 4300 से ज्यादा घायल

सरकार बोली- 39,000 लोग लापता, मलबे के नीचे से आवाजें आ रहीं

करोकस एयरपोर्ट बंद होने से राहत पहुंचाने में दिक्कत

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद अमेरिका में रह रहे वेनेजुएला मूल के लोग पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए हैं। वे दवाइयां, पानी, पैसे और अन्य जरूरी सामान जुटा रहे हैं, लेकिन राजधानी करोकस का मुख्य हवाई अड्डा क्षतिग्रस्त होने के कारण राहत सामग्री भेजने में मुश्किल आ रही है।

करोकस, वेनेजुएला। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के कारोबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44त्न आशंका है। वहीं, एक लाख लोगों के जान गंवाने की 30% आशंका है। इस आपदा से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को 9.5 लाख करोड़ रुपए के नुकसान हो सकता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने आपातकाल लगा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड्रिग्ज से बात कर मदद की पेशकश की है।

मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका

वेनेजुएला में अभी भी भूकंप से तबाह हुई बिल्डिंगों के मलबे में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। आपदा प्रभावित इलाके में अंतरराष्ट्रीय बचाव दल और मानवीय सहायता के पहुंचने के साथ ही आपातकाल की घोषणा कर दी गई है

भारत ने वेनेजुएला के लिए राहत सामग्री भेजी

भारत ने भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमान भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला के साथ खड़ा है और राहत एवं बचाव कार्यों में हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

तुर्किये बचाव दल और राहत सामग्री वेनेजुएला भेजेगा

तुर्किये की आपदा प्रबंधन एजेंसी **AFAD** ने कहा है कि वह वेनेजुएला में भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए दो सैन्य विमान भेजेगा। पहले **A-400M** विमान में 38 सदस्यीय खोज एवं बचाव दल, मानवीय सहायता कर्मी, पांच सदस्यीय मेडिकल रेस्क्यू टीम, तुर्की रेड क्रिसेंट के दो सदस्य, दो खोजी कुत्ते और तीन पूरी तरह सुसज्जित बचाव वाहन भेजे जाएंगे। दूसरे **A-400M** विमान में 22 सदस्यीय मानवीय सहायता ब्रिगेड और उसका उपकरण होगा। **AFAD** के मुताबिक, दोनों विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:15 बजे इस्तांबुल एयरपोर्ट से रवाना होंगे।

वर्ल्ड सेंट्रल किचन ने भूकंप प्रभावितों तक गर्म खाना पहुंचाया

वेनेजुएला में भूकंप से प्रभावित तटीय शहर बोका डे आरोआ में राहत कार्य जारी हैं। राहत संस्था वर्ल्ड सेंट्रल किचन ने बताया कि उसके पार्टनर रेस्तरां ने प्रभावित लोगों तक गर्म भोजन पहुंचाया है। संस्था ने सोशल मीडिया पर कहा कि भूकंप के बाद शहर में बिजली आपूर्ति बंद है और कई घर ढह गए हैं। बोका डे आरोआ राजधानी करोकस से करीब 220 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।

भूकंप में स्पेन के 2 नागरिकों की मौत, 80 लापता

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप में स्पेन के भी 2 नागरिकों की मौत हो गई है। स्पेन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, हम दो स्पेनिश नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हैं। उनके परिजनों ने उनकी पहचान की है। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। मंत्रालय के मुताबिक, 80 स्पेनिश नागरिक अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने कहा कि उनकी तलाश जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मस्क की स्टारलिंक का एक महीने फ्री इंटरनेट सर्विस का ऑफर

इलॉन मस्क की स्टारलिंक कंपनी ने वेनेजुएला में एक महीने के लिए फ्री इंटरनेट सर्विस देने का ऑफर दिया है। कंपनी ने एक्स पर कहा कि हम भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बहाल करने पर भी काम कर रहे हैं। स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क मिलिट्री और इंटेलिजेंस एप्लीकेशंस पर भी काम करता है। यह कभी-कभी भूकंप प्रभावित इलाकों में मोबाइल और फिक्स्ड लाइन सर्विस बहाली भी करता है।

वेनेजुएला भूकंप- मलबे में बच्चे का जन्म: गिरती बिल्डिंग से भागे लोग, रनवे पर खड़ा प्लेन थर्राया, यात्रियों में चीखपुकार मची

वेनेजुएला में गुरुवार को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों से तबाही मच गई। पूरे देश में 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। कई लोगों के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका है। 40 सेकेंड के अंदर राजधानी करोकास की ऊंची इमारतें मलबे के ढेर में बदल गईं। रेस्क्यू टीम ने ढह चुकी इमारत की छत को तोड़कर एक नवजात बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। मलबे के नीचे दबी एक गर्भवती महिला ने बच्ची को जन्म दिया था। राजधानी करोकस में बिल्डिंग भरभराकर ढहने लगी तो अंदर मौजूद लोग जान बचाने के लिए सीढ़ियों से भागते हुए बाहर निकलने लगे। एक और वीडियो वायरल है जिसमें भूकंप के तेज झटकों से रनवे पर खड़ा विमान थर्रा उठा, देखते ही देखते यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सड़कों पर रेस्क्यू कैंप्स में लोगों का इलाज चल रहा है। लोग अपने लोगों को ढूंढ रहे हैं। मलबा हटाने की कोशिशें की जा रही है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

ट्रम्प बोले- हमने वेनेजुएला की स्थिति संभाल ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि हमने एक दिन से भी कम समय में वेनेजुएला की स्थिति संभाल ली। वहां से तेल आ रहा है और हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। हम उनकी मदद करेंगे। हमने वह काम कर दिखाया। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि हम वेनेजुएला को 150 मिलियन डॉलर यानी करीब 1400 करोड़ रुपए की मदद देंगे। साथ ही अमेरिकी रक्षा मंत्रालय वेनेजुएला को एयरक्राफ्ट देगा, ताकि घायल लोगों को सहायता मिल सके।

वेनेजुएला को 35 लाख डॉलर की राहत सहायता देगा कनाडा

कनाडा ने वेनेजुएला को मानवीय सहायता के तौर पर 35 लाख डॉलर देने का ऐलान किया है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने कहा कि यह मदद सबसे ज्यादा प्रभावित लोगों तक जरूरी राहत पहुंचाने के लिए दी जा रही है। इस राशि का इस्तेमाल आपातकालीन भोजन, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य जीवनरक्षक जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में भूकंप से हुई तबाही दिल तोड़ने वाली है। कनाडा इस मुश्किल समय में प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है।

राष्ट्रपति रोड्रिग्ज ने भूकंप प्रभावित परिवारों से मुलाकात की

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने भूकंप से प्रभावित उत्तरी तटीय शहर मकुटो का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों का जायजा लिया। रोड्रिग्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर अपने दौरे का वीडियो साझा करते हुए कहा कि आने वाले घंटों में वेनेजुएला को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लगातार मदद मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने और बचाव अभियान को तेज करने में जुटी है।

अल सल्वाडोर की 188 सदस्यीय रेस्क्यू टीम वेनेजुएला पहुंची

वेनेजुएला में भूकंप के बाद राहत और बचाव अभियान में मदद के लिए अल सल्वाडोर की 188 सदस्यीय रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। वेनेजुएला के संचार एवं सूचना मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। इससे पहले अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार तीन विमानों के जरिए रेस्क्यूकर्मी, बचाव उपकरण और 50 टन राहत सामग्री वेनेजुएला भेज रही है। भूकंप के बाद अल सल्वाडोर उन कई लैटिन अमेरिकी देशों में शामिल है, जिन्होंने वेनेजुएला को मानवीय और राहत सहायता देने की पेशकश की है। प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय टीमें स्थानीय बचाव एजेंसियों के साथ मिलकर राहत अभियान चला रही हैं।

ला गुआइरा में 70 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित

वेनेजुएला के सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य ला गुआइरा में भूकंप से 70 हजार से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। गृह मंत्री डियोसदादो काबेलो ने बताया कि राज्य में 100 से ज्यादा इमारतें ढह गई हैं। काबेलो ने कहा कि राहत और बचाव अभियान तेज करने के लिए प्रभावित राज्य में तैनात कर्मियों की संख्या 4,200 से बढ़ाकर 11,500 की जा रही है। सरकार का कहना है कि मलबे में फंसे लोगों को निकालने, घायलों तक मदद पहुंचाने और प्रभावित परिवारों को राहत उपलब्ध कराने का काम लगातार जारी है।

अमेरिका ने वेनेजुएला में मदद भेजी

अमेरिका ने वेनेजुएला में शुरुआती मदद भेज दी है। ये सहायता अमेरिकी सदर्न कमांड ने भेजी है। अमेरिकी सदर्न कमांड दक्षिण अमेरिका और कैरिबियाई देशों की जिम्मेदारी संभालती है। सदर्न कमांड ने बताया, ट्रांसपोर्ट शिप **SS** फोर्ट लॉडरडेल और लड़ाकू जहाज स्स बिलिंग्स के जरिए मदद भेजी गई है। साथ ही अमेरिका, वेनेजुएला में रेस्क्यू टीमें, मेडिकल और मानवीय सहायता भी पहुंचा रहा है।

वेनेजुएलाई शहर ला गुआइरा में करीब 250 बिल्डिंग्स गिरीं

वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिग्ज ने बताया कि ला गुआइरा में 250 इमारतों को या तो नुकसान पहुंचा या वे खत्म हो गईं। बीबीसी ने बताया कि यहां एक 10 मंजिल की इमारत मलबे में तब्दील हो गई।

घायलों की संख्या बढ़कर 4,300 हुई

वेनेजुएला भूकंप में घायलों की संख्या बढ़कर 4,300 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी तटीय राज्य ला गुआइरा में बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाकों के अस्पताल मरीजों से भर चुके हैं। इसी वजह से सरकार ने फील्ड हॉस्पिटल शुरू किए हैं, ताकि घायलों का तुरंत इलाज किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबा हटाकर लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि अस्पतालों और फील्ड हॉस्पिटल में घायलों का इलाज चल रहा है।

लोग घर लौटने में डर रहे

वेनेजुएला में भूकंप के बाद लोगों ने पार्कों-सड़कों पर रात गुजारी। विदेशी मीडिया को लोगों ने बताया कि उन्हें घर लौटने में डर लग रहा है। बेहद अनिश्चितता का माहौल है। इमारतों में कुछ भी हो सकता है। लोग इस बात को लेकर भी आशंकित हैं कि देश की अर्थव्यवस्था कैसे पटरी पर आएगी?

UN अतिरिक्त रेस्क्यू टीमें भेजेगा, 1.5 करोड़ डॉलर का फंड भी जारी

संयुक्त राष्ट्र ने वेनेजुएला में राहत और बचाव अभियान तेज करने का फैसला किया है। यूएन के मानवीय सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा कि दुनिया के कई देशों से अतिरिक्त सर्च एंड रेस्क्यू टीमें भेजी जा रही हैं। साथ ही आपातकालीन राहत कोष से 1.5 करोड़ डॉलर (15 मिलियन डॉलर) जारी किए गए हैं। टॉम फ्लेचर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि फिलहाल हर घंटा बेहद अहम है।

भूकंप में मरने वालों की संख्या 235 हुई

वेनेजुएला में आए भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 235 हो गई है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राहत और बचाव दल अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मलबा हटने और प्रभावित इलाकों तक राहत टीमों के पहुंचने के साथ मृतकों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। कई लोग अब भी लापता हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सेना, राहत एजेंसियां और अंतरराष्ट्रीय रेस्क्यू टीमें संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रही हैं। घायलों का अस्पतालों में इलाज जारी है और क्षतिग्रस्त इमारतों की तलाशी ली जा रही है।

12 लाख का पानी, 20 लाख का लंच... 3 दिन के डिमोलिशन ड्राइव पर अधिकारियों का 46 लाख का 'खर्चापानी'

गुजरात के राजकोट में मेगा डिमोलिशन अभियान के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के चाय-नाश्ते व खाने पर लाखों रुपये खर्च होने का मामला विवादों में आ गया है, स्टैंडिंग कमेटी ने बिल पर रोक लगाकर अधिकारियों से जवाब मांगा है, जबकि कांग्रेस ने इसे जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी और भ्रष्टाचार करार देते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है

अहमदाबाद। गुजरात के राजकोट में नगर निगम के मेगा डिमोलिशन अभियान के बाद अब एक नया और बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। जंगलेश्वर इलाके में अवैध निर्माणों को ढहाने के बाद जहां अधिकारियों ने खूब वाहवाही बटोरी थी, वहीं अब इस कार्रवाई के दौरान हुए चाय, नाश्ते और खाने-पीने के भारी-भरकम बिल ने नगर निगम के गलियारों में हड़कंप मचा दिया है। कारण, अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के लिए दो से तीन दिनों के भीतर सिर्फ चाय-नाश्ते और लंच पर 27 ।20 लाख का खर्च दिखाया गया है, जिस पर नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी ने रोक लगा दी है। इसके साथ ही कमेटी ने इस खर्च के बिल को लेकर अधिकारियों से लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। दरअसल, यह मेगा डिमोलिशन अभियान फरवरी में राजकोट के पूर्वी जोन के वार्ड नंबर-16 स्थित जंगलेश्वर इलाके में चलाया गया था। आजी नदी के किनारे और टीपी रोड पर हुए अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम ने बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए करीब 1,400 अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया था। अभियान में नगर निगम, पुलिस और अन्य सरकारी विभागों के 4,800 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी तैनात थे।

૫૫૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ)	૮૨,૫૦૦/-
૪૬૦૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ)	૬,૯૦,૦૦૦/-
૪૬૦૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ) + ૦૦ નંગ (લીંબુ આદું સરબત બોટલ)	૭,૫૦,૦૦૦/-
૧૦૦૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ)	૧,૫૦,૦૦૦/-
૫૫૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ)	૮૨,૫૦૦/-
૧૧૦૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ)	૧,૬૫,૦૦૦/-
૩૪૦ નંગ (સ્પે.લંચડીશ+મસાલા છાશ)	૫૧,૦૦૦/-
ટોટલ	૨૦,૬૮,૫૦૦/-
GRAND TOTAL	૨૭,૨૦,૯૪૬/-

- (અંકે રૂપીયા સત્યાવીસ લાખ વીસ હજાર નવસો છેતા

चाय, नाश्ता और लंच पर लाखों का खर्च

नगर निगम के रिकॉर्ड के अनुसार अभियान के दौरान कर्मचारियों के लिए चाय, कॉफी, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था की गई थी। खर्च का विवरण इस प्रकार है -21,310 कप चाय-बिस्कुट -50 प्लेट गांठिया-जलेबी -पोहा -360 प्लेट नाश्ता -लंच इन सभी पर 6,30,946 रुपये खर्च हुए। इसके अलावा 21 से 27 फरवरी के बीच 13,390 स्पेशल लंच पैकेट, मसाला छाछ और 4,000 नींबू-अदरक शरबत की बोतलें मंगाई गईं। इन पर 20,68,500 रुपये खर्च किए गए। दोनों खर्चों को मिलाकर कुल 27,20,946 रुपये का बिल तैयार किया गया। भोजन के 27 ।20 लाख रुपये के बिल के अलावा अब अन्य खर्च भी चर्चा में हैं। जानकारी के अनुसार मिनरल वॉटर पर 12,40,028 रुपये, मंडप सर्विस पर 6,70,678 रुपये का खर्च भी सामने आया है। इन दोनों खर्चों को जोड़ने पर मेगा डिमोलिशन अभियान का कुल खर्च करीब 46 ।31 लाख रुपये तक पहुंच जाता है।

स्टैंडिंग कमेटी ने रोका बिल

यह प्रस्ताव जब स्टैंडिंग कमेटी के सामने मंजूरी के लिए रखा गया तो सदस्यों ने इतने बड़े खर्च पर सवाल उठा दिए। कमेटी का कहना है कि तोड़फोड़ जैसी कार्रवाई के दौरान चाय-नाश्ते और भोजन पर इतना बड़ा खर्च कैसे हो सकता है। इसी वजह से बिल पर फिलहाल रोक लगा दी गई है और संबंधित अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा गया है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि अभियान बेहद संवेदनशील था और हजारों अधिकारी, पुलिसकर्मी तथा मजदूर लगातार मौके पर मौजूद थे। काम बाधित न हो, इसलिए सभी के लिए भोजन और चाय-नाश्ते की व्यवस्था करनी पड़ी।

कांग्रेस ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

कांग्रेस ने पूरे मामले को भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के राजकोट जिलाध्यक्ष राजदीपसिंह जाडेजा ने कहा कि यह बेहद दुखद और शर्मनाक है। एक तरफ गरीबों के आशियाने तोड़े जा रहे थे, लोग रो रहे थे और दूसरी तरफ अधिकारी जनता के टैक्स के पैसे पर तरह-तरह के व्यंजनों और जलेबी-गांठिया का आनंद ले रहे थे। इस पूरे मामले में साफ तौर पर भ्रष्टाचार हुआ है। जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सबसे ज्यादा सवाल मिनरल वॉटर के खर्च को लेकर उठ रहे हैं। यदि एक 200 एमएल पानी की बोतल औसतन 5 रुपये की मानी जाए, तो 12 ।40 लाख रुपये में करीब 2 ।40 लाख बोतलें खरीदी जा सकती थीं। इसे लेकर भी विपक्ष और स्थानीय लोगों ने खर्च की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं।

नगर निगम का पक्ष

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि अभियान में हजारों कर्मचारी लगातार कई दिनों तक ड्यूटी पर तैनात रहे। ऐसे में भोजन, चाय, नाश्ता और पेयजल की व्यवस्था करना प्रशासनिक आवश्यकता थी ताकि किसी कर्मचारी को कार्यस्थल छोड़कर बाहर न जाना पड़े। हालांकि अब पूरे खर्च की जांच और स्पष्टीकरण के बाद ही बिल को मंजूरी दिए जाने पर फैसला होगा।

गुजरात हाई कोर्ट से झटका

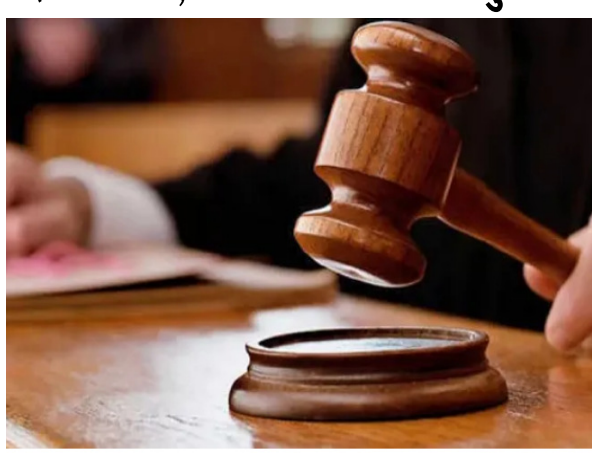

सोमनाथ मंदिर में बौद्ध अवशेष होने का दावा खारिज, याचिकाकर्ता पर भारी जुर्माना

अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने गुरुवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सोमनाथ मंदिर के स्थल के नीचे बौद्ध धर्म से संबंधित पुरातात्विक खोजों को सार्वजनिक करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने याचिका को गलत और भ्रामक बताया और याचिकाकर्ता पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति डीएन राय की पीठ ने महाराष्ट्र निवासी विलास तुकाराम खरात द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज करते हुए कहा- यह याचिका गलत, गुमराह करने वाली है और इसमें तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। यहीं नहीं, यह याचिका वास्तविक जनहित याचिका की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाने वाली है। कोर्ट ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि खरात, जोकि मराठी विद्वान होने का दावा करते हैं और सनातन धर्म नामक गैर सरकारी संगठन के सदस्य हैं, ने आईआईटी गांधीनगर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण को सार्वजनिक करने की मांग की थी। राज्य सरकार ने तर्क दिया कि यह याचिका बिना किसी आधार के मंदिर ट्रस्ट को विवाद में खींचने के उद्देश्य से दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने याचिकाकर्ता के उद्देश्यों पर भी सवाल उठाए।

गुजरात हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर दो लाख का जुर्माना लगाया, कहा- याचिका गलत और भ्रामक

रामगढ़ में ट्रक-पिकअप में टक्कर, 8 लोगों की मौत

गाड़ी में फंसी लाश, सड़क पर बिखरे बैंड-बाजे; ताशा पार्टी से जुड़े थे सभी

रामगढ़(झारखंड)। झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। एक्सीडेंट रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी-बरलौंग के पास रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर हुआ। कोयला लदे एक ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े थे, उनके सामान बैंड-बाजे सड़क पर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, जबकि ट्रक को मौके पर छोड़ ड्राइवर भाग निकला। घटनास्थल पर सात लोगों की मौत हुई। वहीं, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को रांची रेफर किया गया, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक सभी लोग बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े हैं। जानकारी के अनुसार, पिकअप में 8 लोग सवार थे, जो रामगढ़ से मारगामरचा आए थे।

गुजरातः पड़ोसियों की अनुमति और रजिस्ट्रेशन के बिना नहीं पाल सकेंगे कुत्ता, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

राजकोट में पालतू कुत्तों के लिए सख्त नियम लागू होंगे

कुत्ता पालने हेतु पड़ोसियों की लिखित अनुमति अनिवार्य होगी

रजिस्ट्रेशन न कराने पर नगर निगम सख्त कार्रवाई करेगा

अहमदाबाद। गुजरात में पालतू कुत्तों का हिंसक हमला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में सूरत में पालतू कुत्ते के हमले से मासूम की मौत के बाद नगर निगमों ने कुत्ता पालने वाले मालिकों के लिए सख्त नियम लागू कर दिया है। नए नियम के तहत अब पालतू कुत्ते रखने के लिए आपको इसकी अनुमति पड़ोसियों से लेनी होगी। दरअसल, अहमदाबाद, मोरबी और सूरत के बाद अब राजकोट महानगरपालिका भी कुत्ता पालने को लेकर यह सख्त नियम लागू करने जा रही है। इस नियम को लागू करने से पहले अहमदाबाद नगर निगम द्वारा लागू नियमों की जानकारी और सूची मंगाई गई है।

NOC में क्या क्या होगी जानकारी?

इस नियम के तहत कुत्ता पालने के लिए आपको रजिस्ट्रेशन कराने के साथ-साथ आसपास रहने वाले पड़ोसियों की लिखित मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। एनओसी में इस बात की जानकारी होगी कि संबंधित कुत्ते से उनको किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं है और वह हिंसक प्रवृत्ति का तो नहीं है।

नगर निगम करेगा रजिस्ट्रेशन

अगर लोग स्वेच्छा से कुत्ते का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाते हैं तो राजकोट नगर निगम डोर-टू-डोर सर्वे के जरिए पालतू कुत्तों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन करेगा। नगर निगम मालिक और कुत्ते दोनों की विस्तृत जानकारी भी दर्ज करेगा। जांच के दौरान अगर कोई ऐसा व्यक्ति पाया जाता है, जो जानबूझकर रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

गुजरात से राजस्थान जा रही लग्जरी बस से 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त, आरोपी गिरफ्तार

गुजरात एटीएस ने अहमदाबाद में 8 करोड़ की ड्रग्स जब्त की

लग्जरी बस से 2 लाख से अधिक ट्रामाडोल टैबलेट बरामद

मुख्य आरोपी परेश पारसमल जैन उदयपुर से दबोचा गया

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने शहर पुलिस की मदद से गुजरात से राजस्थान जा रही एक लग्जरी बस की अहमदाबाद के शाहीबाग में तलाशी लेकर प्रतिबंधित ड्रग्स ट्रामाडोल की दो लाख से अधिक टेबलेट जप्त की। इसकी बाजार कीमत 8 करोड 32 लाख रु बताई गई है। मौके से फरार आरोपी परेश पारसमल जैन को राजस्थान के उदयपुर से दबोच लिया। एटीएस पुलिस अधीक्षक के सिद्धार्थ के मार्गदर्शन में एटीएस, अपराध शाखा तथा अहमदाबाद पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के तहत, शाहीबाग पहुंची एम आर ट्रेवल्स की लग्जरी बस की तलाश ली।

राजस्थान के पाली जा रही थी बस

यह बस गुजरात के अंकलेश्वर से राजस्थान के पाली जा रही थी। इसमें एक बॉक्स में छोटे छोटे कागज के 416 बॉक्स में रखी 2 लाख 8 हजार ट्रामाडोल हाईड्रोक्लोराइड की प्रतिबंधित टेबलेट बरामद की। पुलिस उपाधीक्षक एस एल चौधरी व उनकी टीम ने जब पूछताछ की तो पता चला कि आरोपी परेश पारसमल जैन राजस्थान भाग गया, पुलिस ने उसे उदयपुर के गोगुंदा में दबोच लिया।

आरोपी ने खोले बड़े राज

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि मई माह में अब तक वह 62 लाख से अधिक टेबलेट राजस्थान व उत्तर प्रदेश पहुंचा चुका है। इससे पहले आरोपी उत्तराखंड तथा महाराष्ट्र में प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ पकडा गया था तथा वह गत माह वापी में पकडी गई करीब डाई किलो मैफेड्रॉन ड्रग्स की तस्करी में भी लिपत था। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपी को गिरफ्तार किया था।

नोरा फतेही-कपिल शर्मा का शो कराने का झांसा, 1।41 करोड़ की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सूरत। गुजरात के सूरत में सेलिब्रिटी लाइव शो आयोजित कराने के नाम पर 1 ।41 करोड़ रुपये से ज्यादा की कथित ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि मुंबई की दो कंपनियों के निदेशकों ने बॉलीवुड सितारों से अपने करीबी संबंध होने का दावा कर एक इवेंट मैनेजमेंट कारोबारी को झांसे में लिया और अलग-अलग खर्चों के नाम पर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। मामले में सूरत के उत्राण पुलिस थाने में धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अनिंदा नेताई सील को मुंबई के अंधेरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

अरिजीत सिंह के शो के लिए हुआ था एमओयू

शिकायत के अनुसार, सूरत के मोटा वराछा निवासी और इवेंट मैनेजमेंट कारोबारी अभिषेक मोरडिया तथा उनके साझेदार हितेश गजेरा ने वर्ष 2024 में एक बड़ा लाइव शो आयोजित करने की योजना बनाई थी। इसी दौरान उनकी मुलाकात मुंबई निवासी अनिंदा नेताई सील और अनंतकुमार शिवनाथ गुप्ता से हुई। दोनों आरोपियों ने बॉलीवुड कलाकारों के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर भरोसा दिलाया कि वे प्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह का लाइव शो सूरत में आयोजित करा सकते हैं। इसके लिए शिकायतकर्ता से 11 लाख रुपये टोकन मनी लेकर एमओयू भी साइन किया गया। कुछ समय बाद आरोपियों ने कहा कि अरिजीत सिंह का शो कराना संभव नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।